



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 78] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 1, 1995/फाल्गुन 10, 1916

No. 78] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 1, 1995/PHALGUNA 10, 1916

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1995

सांकांनि० 100(प्र).—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) यह नियम पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) संशोधन नियम, 1995 कहे जाएँ।

(2) यह सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

2. पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) के नियम 4 के उप-नियम (1) में वर्तमान स्पष्टीकरण को स्पष्टीकरण 1 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस पुनः संख्यांकन के बाद निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण 2 — इस उप नियम के उद्देश्य के लिए “पर्याप्त कारण” अभिव्यक्ति का अर्थ यह होगा :—

- (i) जहां विनिर्दिष्ट अवधि में दावे के लिए आवेदन पत्र दाखिल करने में विलम्ब आवेदक के नियंत्रण से परे है;
- (ii) जहां निर्धारित अवधि में दावे के लिए आवेदन पत्र दाखिल करने में विलम्ब विवशता की स्थिति के किसी कारण जैसे दंगे, बाढ़, सिविल युद्ध, विदेशी आक्रमण, भूचाल अथवा भाग आदि की वजह से है;
- (iii) जहां आवेदक को ऐसे किन्हीं कारणों द्वारा रोका गया, जो विनिर्दिष्ट अवधि में दावे करने के लिए उसके नियंत्रण से परे है।”

[संख्या मो-27012/1/93-मोएनजीडी-IV]

नजीब जंग, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :—मुख्य नियम दिनांक 13-04-1963 के सांकांनि० 626 के तहत प्रकाशित किए गए और दिनांक 26-04-1977 के सांकांनि० 194(घ) के तहत इसमें बाद में संशोधन किया गया।

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 1995

G.S.R. 100(E).—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Amendment Rules, 1995.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In sub-rule (1) of rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules 1963, the existing Explanation shall be renumbered as Explanation-1 and after so renumbered the following Explanation shall be inserted, namely :—

“EXPLANATION 2.—For the purpose of this sub-rule the expression “sufficient cause” shall mean :—

- (i) where the delay in filing the application for claim within the specified period is beyond the control of the applicant ;
- (ii) where the delay in filing the application for claims within the stipulated period is on account of any force majeure reasons such as riots, floods, civil war, foreign aggression, earthquake, or fire etc.
- (iii) where applicant was prevented by any reasons which is beyond his control from making the claims within the specified period.

[No. O-27012/1/93-ONGD.IV]

NAJEEB JUNG, Jt. Secy.

Foot note :—The principal rules were published vide G.S.R. 626 dated 13-4-1963 and subsequently amended vide G.S.R. 194(E), dated 26-4-1977.

